ग्रिड में बौद्धिक दिव्यांगता एवं ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

राजकीय बौद्धिक दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान (ग्रिड), सेक्टर 31 के द्वारा संस्थान परिसर में बौद्धिक दिव्यांगता एवं ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले लोगों के मूल्यांकन और प्रबंधन के संबंध में एक व्यापक शिक्षण अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से एक शैक्षणिक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, सेक्टर 32 के डायरेक्टर प्रिंसिपल सह संस्थान के डायरेक्टर डॉ ए के अत्री ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। ग्रिड के संयुक्त निदेशक डॉ. प्रीति अरुण, आयोजन सचिव डॉ. शिवांगी मेहता, मनोचिकित्सक जीएमसीएच और संयुक्त आयोजन सचिव डॉ. रीना जैन, ग्रिड क्लिनिक प्रभारी भी वहां मौजूद थे। इस साइंटिफिक कार्यक्रम मे बौद्धिक दिव्यांगता एवं ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के प्रबंधन से संबंधित मनोवैज्ञानिक, चिकित्सीय, शैक्षिक और पुनर्वास पहलुओं को शामिल किया गया था। साथ ही, इसमें दिव्यांगता प्रमाणीकरण, संबंधित अधिनियमों और नैशनल ट्रस्ट अधिनियम, निरामय स्वास्थ्य बीमा और दिव्यांगता पेंशन योजना जैसे लाभों के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

कार्यशाला में मनोचिकित्सकों, बाल रोग विशेषज्ञों, मनोवैज्ञानिकों और विशेष शिक्षकों जैसे लगभग 25 विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों को आईडी और एएसडी वाले लोगों को बहु-विषयक तरीके से प्रबंधित करने और उन्हें शिक्षा और नौकरी प्लेसमेंट के साथ सशक्त बनाने की जानकारी दी गई।

कार्यशाला का समापन 23 मार्च को मुख्य अतिथि "डॉ. नवीन सांख्यान", प्रोफेसर, प्रभारी, बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी इकाई, बाल रोग विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के द्वारा की गई। तीन दिवसीय कार्यशाला 21 से 23 मार्च, 2024 तक आयोजित की गई थी।

प्रतिभागियों ने कार्यशाला के बारे में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। एक प्रतिभागी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे यह कार्यशाला उन्हें आईडी और एएसडी वाले लोगों को समग्र देखभाल प्रदान करने में अन्य सहयोगी पेशेवरों (विशेष शिक्षक) के साथ काम करने में मदद करेगी।

ग्रिड में बौद्धिक दिव्यांगता व ऑटिज्म स्पैक्ट्रम डिस्ऑर्डर के प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित

सवेरा न्यूज/ राकेश

चंडीगढ़,26 मार्च : राजकीय बौद्धिक दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान (ग्रिड), सैक्टर 31 के द्वारा संस्थान परिसर में बौद्धिक दिव्यांगता एवं ऑटिज्म स्पैक्ट्रम विकार वाले लोगों के मूल्यांकन और प्रबंधन के संबंध में एक व्यापक शिक्षण अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से एक शैक्षणिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। गवर्नमैंट मैडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, सैक्टर 32 के डायरैक्टर प्रिंसिपल सह संस्थान के डायरैक्टर डॉ. एके अत्री ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। ग्रिड के संयुक्त निदेशक डॉ. प्रीति अरुण, आयोजन सचिव डॉ. शिवांगी मेहता, मनोचिकित्सक जीएमसीएच और

राजकीय बौद्धिक दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान में बौद्धिक दिव्यांगता एवं ऑटिज्म स्पैक्ट्रम विकार पर कार्यशाला को संबोधित करते प्रो .एके अत्री।

संयुक्त आयोजन सचिव डॉ. रीना जैन, ग्रिड क्लिनिक प्रभारी भी वहां मौजूद थे। इस साइंटिफिक कार्यक्रम में बौद्धिक दिव्यांगता एवं ऑटिज्म स्पैक्ट्रम विकार के प्रबंधन से संबंधित मनोवैज्ञानिक, चिकित्सीय, शैक्षिक और पुनर्वास पहलुओं को शामिल किया गया था।

कार्यशाला में मनोचिकित्सकों, बाल रोग विशेषज्ञों, मनोवैज्ञानिकों और विशेष शिक्षकों जैसे लगभग 25 विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यशाला का समापन 23 मार्च को मुख्य अतिथि डॉ. नवीन सांख्यान, प्रोफैसर, प्रभारी, बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी इकाई, बाल रोग विभाग, पीजीआई द्वारा की गई। प्रतिभागियों ने कार्यशाला के बारे में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

---

10 की लड़कियों के लिए थी।

कार्यशाला: शिक्षा, नौकरी के साथ सशक्त बनाने की दी जानकारी

चंडीगढ़, 26 मार्च (पाल): राजकीय बौद्धिक दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान (ग्रिड) सैक्टर-31 द्वारा संस्थान परिसर में बौद्धिक दिव्यांगता एवं ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले लोगों के मूल्यांकन और प्रबंधन के संबंध में एक व्यापक शिक्षण अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से एक शैक्षणिक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जी.एम.सी.एच. डायरैक्टर प्रिंसीपल सह संस्थान के डायरैक्टर डॉ. ए.के. अत्री ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया। ग्रिड के संयुक्त निदेशक डॉ. प्रीति अरुण, आयोजन सचिव डॉ. शिवांगी मेहता, मनोचिकित्सक और संयुक्त आयोजन सचिव डॉ. रीना जैन, ग्रिड क्लीनिक प्रभारी भी वहां मौजूद थे। इस साइंटिफिक कार्यक्रम में बौद्धिक दिव्यांगता एवं ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के प्रबंधन से संबंधित मनोवैज्ञानिक, चिकित्सीय, शैक्षिक और पुनर्वास पहलुओं को शामिल किया गया था।

मीडिया कवरेज